

Lang. Code : **03**

इस पुस्तिका में 20 पृष्ठ हैं ।

This booklet contains 20 pages.

**AAT-20-II**

प्रश्न-पत्र II / PAPER II

असमी भाषा परिशिष्ट

Assamese Language Supplement

भाग IV & V / PART IV & V

परीक्षा पुस्तिका संकेत  
Test Booklet Code

परीक्षा पुस्तिका संख्या  
Test Booklet No.



इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 19 & 20) of this Test Booklet.

असमी में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें । / For instructions in Assamese see Page 2 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग IV (भाषा I) या भाग V (भाषा II) असमी भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन दोनों नहीं ।                                                                                                                                                                                                                         | 1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer <b>EITHER</b> Part IV (Language I) <b>OR</b> Part V (Language II) in <b>ASSAMESE</b> language, but <b>NOT BOTH</b> .                                                                                                                                                                                                                                                              |
| 2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II या III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।                                                                                                                                                                                                                                                                      | 2. Candidates are required to answer Part I and Part II <b>OR</b> III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| 3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।                                                                                                                                                                                                                                                    | 3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| 4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करें ।                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 4. Use <b>Black/Blue Ball Point Pen only</b> for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| 5. इस भाषा पुस्तिका का संकेत है <b>M</b> । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।                                                                                                     | 5. The CODE for this Language Booklet is <b>M</b> . Make sure that the CODE printed on <b>Side-2</b> of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.                                                                                                        |
| 6. इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग IV और V हैं, जिनमें 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :<br>भाग-IV : भाषा-I (असमी) (प्र. 91 से प्र. 120)<br>भाग-V : भाषा-II (असमी) (प्र. 121 से प्र. 150)                                                                                                                                                                                             | 6. This Test Booklet has <b>two</b> Parts, IV and V, consisting of <b>60</b> Objective Type Questions, each carrying 1 mark :<br>Part-IV : Language-I (Assamese) (Q. 91 to Q. 120)<br>Part-V : Language-II (Assamese) (Q. 121 to Q. 150)                                                                                                                                                                                                                                           |
| 7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल असमी भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) असमी के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए । | 7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Assamese language have been given. <b>In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Assamese, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.</b> |
| 8. परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।                                                                                                                                                                                                                                                                       | 8. Candidates are required to attempt questions in Part -V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| 9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | 9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| 10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।                                                                                                                                                                                                                                                            | 10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Name of the Candidate (in Capitals) : \_\_\_\_\_

अनुक्रमांक : (अंकों में) \_\_\_\_\_

Roll Number : in figures

: (शब्दों में) \_\_\_\_\_

: in words

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Centre of Examination (in Capitals) : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_ निरीक्षक के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

Candidate's Signature :

Invigilator's Signature :

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent \_\_\_\_\_



**M**

M

(2)

Assamese-II

Lang. Code : 03

AAT-20-II

পৰীক্ষা বহীখনৰ কোড

এই পৰীক্ষা বহীত 20টা পৃষ্ঠা আছে

কাকত II

অসমীয়া ভাষা

খণ্ড IV & V



এই পৰীক্ষা বহীখন তোমাক খুলিবলৈ নোকোৱালৈকে নুখুলিবা ।

এই পৰীক্ষা বহীখনৰ ওপৰৰ পৃষ্ঠাত (পৃষ্ঠা 19 আৰু 20) থকা নিৰ্দেশনা মনোযোগেৰে পঢ়া ।

পৰীক্ষাৰ্থীৰ বাবে নিৰ্দেশনা :

- এই বহীখন মুখ্য পৰীক্ষণৰ বহীখনৰ সহায়ক হিচাপে সেই সকল পৰীক্ষাৰ্থীক দিয়া হৈছে যি অসমীয়া ভাষাৰ খণ্ড IV (ভাষা I) বা খণ্ড V (ভাষা II) উত্তৰ কৰিব বিচাৰে । কিন্তু দুয়োটা খণ্ডৰ উত্তৰ কৰিব নোৱাৰিব ।
- পৰীক্ষাৰ্থীসকলে মুখ্য পৰীক্ষা বহীৰ পৰা I পৰা II বা III খণ্ডৰ উত্তৰ কৰিব লাগিব আৰু তেওঁলোকে নিৰ্বাচন কৰা ভাষাৰ খণ্ড IV আৰু V কৰিব লাগিব ।
- ইংৰাজী আৰু হিন্দী ভাষাৰ IV আৰু V খণ্ডৰ প্ৰশ্নসমূহ মুখ্য পৰীক্ষণ বহীৰ সৈতে দিয়া হৈছে । ভাষা সহায়কসমূহ আঁচুতীয়াকৈ লৈ উত্তৰ দিব পাৰিব ।
- এই পৃষ্ঠাত নিৰ্দিষ্ট বিষয়সমূহ কেৱল লিখিবলৈ আৰু উত্তৰসমূহ চিহ্নিত কৰিবলৈ **নীলা/ক'লা বল পেন** ব্যৱহাৰ কৰিব।
- এইখন ভাষা বহীৰ কোড হ'ল **M**। এইটো নিশ্চিত কৰা যে উত্তৰ বহীৰ **দ্বিতীয় পিঠি**, মুখ্য পৰীক্ষণ বহী আৰু ভাষা সহায়কত একে ধৰণে এই কোডটো লিখা আছে । পৰীক্ষাৰ্থীয়ে ইয়াৰ কিবা খেলিমেলি দেখিলে নিৰীক্ষকক জনাব আৰু ভাষা সহায়ক পৰীক্ষণ বহী সলাই লব ।
- এই পৰীক্ষণ বহীৰ দুটা খণ্ড - চতুৰ্থ আৰু পঞ্চম ইয়াত **60টা** চমুধৰণৰ প্ৰশ্ন আছে । প্ৰত্যেক প্ৰশ্নতে ১ নম্বৰকৈ দিয়া হৈছে :  
খণ্ড IV : ভাষা I — (অসমীয়া) (প্ৰশ্ন 91 ৰ পৰা প্ৰশ্ন 120 লৈ)  
খণ্ড V : ভাষা II — (অসমীয়া) (প্ৰশ্ন 121 ৰ পৰা প্ৰশ্ন 150 লৈ)
- খণ্ড IV তো ভাষা I ৰ বাবে 30টা প্ৰশ্ন দিয়া হৈছে আৰু খণ্ড V ত ভাষা II ৰ বাবে 30টা প্ৰশ্ন দিয়া হৈছে । এই পৰীক্ষণ বহীত প্ৰশ্নসমূহ কেৱল অসমীয়া ভাষাৰ বাবেহে দিয়া হৈছে । **ভাষাৰ ক্ষেত্ৰত যদি ভাষা I অথবা ভাষা II অসমীয়াৰ বাহিৰে অন্য ভাষাত প্ৰশ্ন দিয়া হৈছে তেনেহ'লে সেই ভাষাটোৰ প্ৰশ্ন থকা পৰীক্ষণ বহী খুজি ল'বা ।** তোমাৰ প্ৰপত্ৰত উল্লেখ কৰা ভাষাটোতহে পৰীক্ষাৰ উত্তৰ লিখিব পাৰিবা ।
- পৰীক্ষাৰ্থীয়ে খণ্ড V ৰ (ভাষা II) প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ খণ্ড IV (ভাষা I) ত নিৰ্বাচিত কৰা ভাষাৰ দৰে কৰিব লাগিব ।
- প্ৰশ্নোত্তৰৰ বাদে বাহিৰা কাৰ্য কেৱল পৰীক্ষা বহীত থকা নিৰ্ধাৰিত ঠাইতহে কৰিব পাৰিব ।
- প্ৰশ্নৰ উত্তৰবোৰ কেৱল OMR উত্তৰ কাকততহে লিপিবদ্ধ কৰিব লাগিব । তোমাৰ উত্তৰবোৰৰ সযত্নে কৰা । উত্তৰ সলাবলৈ বগা অথবা অন্য ৰং ব্যৱহাৰ কৰিব নোৱাৰিবা ।

প্ৰাৰ্থীৰ নাম (স্পষ্টভাৱে) : \_\_\_\_\_

ৰোল নম্বৰ : সংখ্যাৰে : \_\_\_\_\_

: আখৰেৰে : \_\_\_\_\_

পৰীক্ষাকেন্দ্ৰ (স্পষ্টভাৱে) : \_\_\_\_\_

প্ৰাৰ্থীৰ চহী : \_\_\_\_\_ নিৰীক্ষকৰ চহী : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent \_\_\_\_\_



পৰীক্ষাৰ্থীসকলে যদিহে অসমীয়া বিষয়টো ভাষা - I  
(**Language-I**) – হিচাপে লৈছে, তেনেহ'লে  
**Part-IV-ৰ** (প্ৰশ্ন নং 91-ৰ পৰা 120 লৈ) উত্তৰ  
কৰিব।

Candidates should attempt the questions  
from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they  
have opted **ASSAMESE** as **Language-I**  
only.

## Part – IV / ভাগ – IV

## Language – I / ভাষা – I

## Assamese / অসমীয়া

পৰীক্ষাৰ্থীসকলে যদিহে অসমীয়া বিষয়টো ভাষা - I (Language-I) – হিচাপে লৈছে, তেনেহ'লে Part-IV-ৰ (প্ৰশ্ন নং 91-ৰ পৰা 120 লৈ) উত্তৰ কৰিব।

## নিৰ্দেশ :

তলত উদ্ধৃত কৰা দফাটো মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নসমূহৰ (প্ৰশ্ন নং 91 ৰ পৰা 99 লৈ) আটাইতকৈ উপযুক্ত বিকল্পটো বাচি উত্তৰ কৰা।

কালাকটাং বজাৰৰ প্ৰধান বাটৰপৰা এটা বাট চিহ্না মন্দিৰৰ পিনে আগুৱাই গৈছে। প্ৰধান বাটৰপৰা মন্দিৰটো দেখা পোৱা যায়। বাটটোৰপৰা পাঁচ-ছটা ছিৰিয়েদি নামি গৈ আমি মন্দিৰৰ পিনে আগুৱাই গ'লো। মই আৰু সত্যজিত প্ৰথমতে মন্দিৰৰ পিনে আগবাঢ়িলো। বাকীবোৰে চৰাইৰ ছবি তোলাত ব্যস্ত হৈ থাকিল। তিনিমহলীয়া মন্দিৰটো দূৰৰপৰা জিলিকি থকা আমাৰ দৃষ্টিগোচৰ হৈছে। সৰু মন্দিৰ, কিন্তু আটোমটোকাৰিকৈ সজোৱা। সাধাৰণতে নিংমা সম্প্ৰদায়ৰ মন্দিৰবোৰত দেৱালৰ বৰণ হয় বগা, তাত ক'লা বৰণৰ ডাঠ ৰেখাৰ দৰে দাগ থাকে নহ'লে দুৱাৰ-খিৰিকীৰ মুখচৰ বৰণ হয় ক'লা। অৱশ্যে তাৰ কোনো ধৰা-বন্ধা নিয়ম নাই। কিন্তু বেছিভাগ ক্ষেত্ৰতে মই এই ৰীতিটো লক্ষ্য কৰি আহিছো। ইয়াত কিন্তু মন্দিৰটোৰ বৰণ হালধীয়া। তাৰ ৰঙা বৰণৰ স্তম্ভবোৰে দূৰৰপৰাই আমাৰ দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিছে। এই অঞ্চলত গেলুপ বৌদ্ধ সম্প্ৰদায়ৰ বসতি অধিক। ভুটানতো গেলুপ আছে বহুত। হয়তো ভুটানৰ প্ৰভাৱে ইয়াত কম-বেছি পৰিমাণে পৰিছে। সেয়েহে হয়তো এই মন্দিৰটোত হালধীয়া বৰণৰ প্ৰাধান্য অধিক। তিনিমহলীয়া সৰু মন্দিৰটোৰ কাষতে সংলগ্ন হৈ আছে এটা দুমহলীয়া ঘৰ। তাৰ চালিখন টিনৰ আৰু তাত সামান্য পেগোডা সদৃশ দুইখলপীয়া টিনেৰে সজা টুপ আছে। মন্দিৰটোৰ চৌদিশ



পাঁচ বৰণৰ 'ফান' অৰ্থাৎ পাঁচ বৰণীয়া কাপোৰত মন্ত্ৰ লিখা সৰু সৰু কাপোৰৰ টুকুৰাৰে সুসজ্জিত। মন্দিৰৰ প্ৰতিটো তলৰ চাল ধুনীয়াকৈ কোঁচ খোৱা পৰ্দাৰ দৰে ৰেচমী কাপোৰেৰে সজোৱা। মন্দিৰৰ ওপৰত এখন পতাকা আছে। সেই পতাকাখনক চাই মই চিনি পালো সেইখন বিশ্ব বৌদ্ধ সংঘৰ পতাকা। শান্ত সমাহিত মন্দিৰৰ পৰিৱেশ। মন্দিৰত সোমোৱাৰ মুখত এটা পকী তোৰণ আছে। তোৰণখনৰ ওপৰত বজ্জ প্ৰতীকৰ দুই পিনে দুটা সিংহৰূপী ড্ৰেগনৰ মূৰ্তি প্ৰতিষ্ঠিত হৈছে। তোৰণখন অত্যন্ত ধুনীয়া আৰু ভোটা শিল্পকলাৰ চিহ্ন তাত স্পষ্ট। তোৰণখনৰ দুই স্তম্ভৰ তলত দুটা তিব্বতী সিংহৰ মূৰ্তি স্থাপিত হৈছে। তোৰণখন পাৰ হৈ আমি মন্দিৰ চৌহদত প্ৰৱেশ কৰিলো। প্ৰৱেশ কৰিয়েই আমাৰ সোঁপিনে শিলৰ ধোঁৱা দিয়া পবিত্ৰ স্থানটো আমাৰ চকুত পৰিল। মহাযানী বৌদ্ধ পন্থাৰ লোকসকলে শিলৰ এটা বিশেষ স্থাপত্যৰ অভ্যন্তৰত কেঁচা পাইনৰ পাতত অগ্নি সংযোগ কৰে। তাৰপৰা সুগন্ধি মিশ্ৰিত ধোঁৱা ওলায়। বৌদ্ধসকলে এই পবিত্ৰ ধোঁৱা শাক্যমুনি আৰু অন্যান্য অৱলোকেতেশ্বৰ, দেৱ-দেৱী ইত্যাদিৰ উদ্দেশ্যে অৰ্ঘ দান কৰে। আমাৰ সংস্কৃতিত ধূনাদানিত ঈশ্বৰৰ উদ্দেশ্যে যে ধোঁৱা অৰ্পণ কৰা হয় সেই সংস্কৃতি আচলতে মহাযানী বৌদ্ধসকলৰপৰা আমাৰ মাজত সোমাইছে। বৌদ্ধসকলৰ এই পবিত্ৰ ধূনাদানিক 'চাং' বুলি কোৱা হয়। অৰুণাচল প্ৰদেশ, নেপাল, চিকিম, ভুটান সৰ্বত্ৰ বৌদ্ধ গুম্ফা বা বৌদ্ধ মন্দিৰত আমি এই চাং তথা ধোঁৱাদানি দেখিবলৈ পাওঁ।

91. মন্দিৰটোৰ তোৰণৰ দুয়োফালে থকা স্তম্ভ দুটাৰ তলত কি আছিল ?

- (1) দুটা তিব্বতী সিংহৰ মূৰ্তি
- (2) দুটা তিব্বতী ড্ৰেগনৰ মূৰ্তি
- (3) বুদ্ধৰ শিষ্য দুজনৰ মূৰ্তি
- (4) শিলৰ ধোঁৱা দিয়া স্থান

92. বৌদ্ধ ধৰ্মৰ মন্ত্ৰ লিখা পাঁচবৰণীয়া কাপোৰৰ সৰু সৰু টুকুৰাবোৰক \_\_\_\_\_ বুলি কোৱা হয়।

- (1) চাং
- (2) ফান
- (3) গেলুপ
- (4) নিংমা

93. “সৰু মন্দিৰ, কিন্তু আটোমটোকাৰিকৈ সজোৱা” বাক্যটোত ব্যৱহৃত ‘আটোমটোকাৰি’ শব্দটো কিহৰ উদাহৰণ ?

- (1) সন্ধি
- (2) সমাস
- (3) প্ৰত্যয়
- (4) জঁতুৱা ঠাচ

94. মহাযানী বৌদ্ধ পন্থাৰ লোকসকলে মন্দিৰৰ চৌহদত থকা ধোঁৱা দিয়া পাত্ৰৰ পৰা সুগন্ধি ধোঁৱা নিৰ্গত কৰিবলৈ কি কৰে ?

- (1) ধোঁৱা দিয়া পাত্ৰত সুগন্ধি ফুল ভৰায়
- (2) ধূপ জ্বলাই ৰাখে
- (3) পাইন গছৰ কেঁচা পাত জ্বলায়
- (4) শুকান সুগন্ধি কাঠ আৰু বাঁহ জ্বলায়

95. “গন্ধ শব্দৰ আগত সু(সুন্দৰ) শব্দ যোগ দি সমাস কৰিলে তাৰ দুটা ৰূপ হয়, সুগন্ধ আৰু সুগন্ধি।”

‘সুগন্ধি’ শব্দটোত যোগ হোৱা ‘সু’ হৈছে –

- (1) উপসৰ্গ
- (2) সমাস
- (3) সন্ধি
- (4) বিশেষ্য

96. বৌদ্ধসকলৰ পৱিত্ৰ ধূনাদানি চাঙৰ প্ৰচলন ক’ত ক’ত দেখা যায় বুলি উল্লেখ কৰা হৈছে ?

- (1) অসম, অৰুণাচল প্ৰদেশ, মণিপুৰ
- (2) নেপাল, শ্ৰীলংকা, বিহাৰ, অসম
- (3) অৰুণাচল প্ৰদেশ, তামিলনাডু
- (4) নেপাল, ভূটান, চিকিম, অৰুণাচল প্ৰদেশ



97. বৰ্ণিত মন্দিৰটোলৈ সোমোৱাৰ বাটত থকা ধুনীয়া তোৰণখনত কোন শিল্পকলাৰ স্পষ্ট চিহ্ন দেখা যায় ?

- (1) ভোটি
- (2) আৰৱী
- (3) সিংহলী
- (4) কালাকটাঙী

98. উদ্ধৃত ৰছনাখণ্ডত উল্লেখ কৰা ‘সত্যজিৎ’ কাৰ নাম ?

- (1) লেখকৰ নাম
- (2) নিংমা সম্প্ৰদায়ৰ যুৱকজনৰ নাম
- (3) লেখকৰ লগৰজনৰ নাম
- (4) মন্দিৰৰ কৰ্মীজনৰ নাম

99. বিশ্ব বৌদ্ধসংঘৰ পতাকাখন ক’ত আছিল ?

- (1) মন্দিৰটোলৈ সোমাই যোৱা বাটটোৰ আৰম্ভণিত
- (2) মন্দিৰটোৰ বাটচৰাৰ পকী তোৰণৰ ওপৰত
- (3) মন্দিৰটোৰ ওপৰত
- (4) মন্দিৰটোৰ চোতালৰ সোঁমাজত

নিৰ্দেশ : তলত উদ্ধৃত কৰা পদ্যাংশ মনোযোগেৰে পঢ়ি  
তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নসমূহৰ (প্ৰশ্ন নং 100-ৰ পৰা 105  
লৈ) আটাইতকৈ উপযুক্ত উত্তৰটো নিৰ্বাচন কৰা।

আই !

তোমাৰ সতে শেষ দেখা

মোৰ মনত নাই।

আজি হঠাৎ

তোমাৰ আঁচলেৰে ঢাকি অনা

গোপন ইস্তাহাৰখনৰ কথাবোৰে

দাৰনীৰ চোক দিয়া কাঁচিখনৰ দৰে

মোক চমকাই গ'ল।

আকালৰ জুয়ে পুৰি নিয়া

বনুৱাৰ হাতৰ তীখাৰ হাতুৰীটোৰ

প্ৰচণ্ড শব্দই মোক সোঁৱৰাই

দিলে : তোৰ আই তোৰ সমুখত।

অতদিনে মই

নিজক লৈয়ে ব্যস্ত আছিলো আই !

আজি তোমাক পালো

তীখাৰ তীক্ষ্ণতা আৰু থোৰ মেলা

শস্যৰ মাজত।

মোৰ আই

কোন কাহানিৰাই

আহি ৰৈ আছে মোৰ সমুখত।



100. ‘তীখাৰ তীক্ষ্ণতা’ আৰু ‘থোৰ মেলা শস্যৰ  
মাজত’ কোনে কাক পাইছিল ?

- (1) কবিয়ে, নিজৰ মাতৃক
- (2) কবিক, বনুৱাবোৰে
- (3) দাৰনীবোৰে, বনুৱাবোৰক
- (4) বনুৱাৰ হাতৰ হাতুৰীয়ে, দাৰনীৰ হাতৰ  
কাঁচিক

101. “তোৰ আই তোৰ সমুখত” বুলি কবিক কোনে  
সোঁৱৰাই দিছিল ?

- (1) আকালৰ জুইৰ শিখাই
- (2) দাৰনী আৰু বনুৱাবোৰে
- (3) দাৰনীৰ হাতৰ চোক দিয়া কাঁচিখনে
- (4) বনুৱাৰ হাতৰ তীখাৰ হাতুৰীটোৰ শব্দই

102. ‘আয়ে’ আঁচলেৰে কি ঢাকি আনিছিল ?

- (1) কাঁচি এখন
- (2) হাতুৰী এটা
- (3) ইস্তাহাৰ এখন
- (4) স্নেহ আৰু সাহস

103. “আকালৰ জুয়ে পুৰি নিয়া বনুৱাৰ হাতৰ তীখাৰ  
হাতুৰীটো” – এই শাৰীটোত প্ৰয়োগ হোৱা  
কাব্যিক উপাদান বা উপকৰণটো কি ?

- (1) ছন্দ
- (2) চিত্ৰকল্প
- (3) উপমা
- (4) প্ৰতীক

104. তলত দিয়া শব্দকেইটাৰ ভিতৰত কোনটো

‘তীক্ষ্ণ’ শব্দৰ সমার্থসূচক নহয় ?

- (1) চোকা
- (2) ধাৰাল
- (3) কাঁচি
- (4) শানিত

105. ‘ইস্তাহাৰ’ শব্দটোৰ অৰ্থ হৈছে –

- (1) গোপন
- (2) পদত্যাগ বা পৰিত্যাগ
- (3) চিঠি
- (4) জাননী বা ঘোষণা-পত্ৰ

**Directions :** Answer the following questions by selecting the most appropriate options.

106. প্ৰত্যেক ভাষাৰে নিজৰ নিজৰ ব্যাকৰণ থাকে

আৰু এই ব্যাকৰণ –

- (1) নিয়মৰ দ্বাৰা নিয়ন্ত্ৰিত হয়
- (2) ৰাজ্যৰ দ্বাৰা নিয়ন্ত্ৰিত হয়
- (3) কেন্দ্ৰৰ দ্বাৰা নিয়ন্ত্ৰিত হয়
- (4) লিপিৰ দ্বাৰা নিয়ন্ত্ৰিত হয়

107. ত্ৰিভাষা সূত্ৰ অনুসৰি তৃতীয় ভাষা,

- (1) গোটেই দেশতে একেই
- (2) কেৱল সংস্কৃত
- (3) হিন্দী কোৱা আৰু হিন্দী নোকেৱা ৰাজ্যবোৰৰ কাৰণে বেলেগ বেলেগ
- (4) কেৱল বিদেশী ভাষা



108. এগৰাকী শিক্ষকে শ্ৰেণীকোঠালৈ “ছোৱালীক পঢ়োৱা, ছোৱালীক বঢ়োৱা” বুলি লিখা পোষ্টাৰ এখন আনি বেৰত লগাইছে আৰু ছাত্ৰ-ছাত্ৰী বোৰক সেইখন মনোযোগেৰে লক্ষ্য কৰি বিষয়টোত এটা সৰু দফা লিখিবলৈ দিছে। ভাষাৰ শিক্ষকগৰাকীয়ে ব্যৱহাৰ কৰা এই পোষ্টাৰখন হৈছে –

- (1) বিশ্বাসযোগ্য (authentic) সামগ্ৰী
- (2) সংহত (integrated) সামগ্ৰী
- (3) বৈধ সামগ্ৰী
- (4) পেলনীয়া সামগ্ৰী

109. অনৰ্গলতা (Fluency)-ৰ অৰ্থ হৈছে –

- (1) নিৰ্ভুলভাবে লিখা
- (2) ব্যাকৰণৰ নিয়মবোৰ ব্যাখ্যা কৰি ব্যৱহাৰ কৰা
- (3) বাক্যবোৰ শুদ্ধকৈ উচ্চাৰণ কৰা
- (4) যথোচিতভাবে নিজৰ ভাব প্ৰকাশ কৰিব পৰাকৈ কোৱা, পঢ়া আৰু লিখা

110. পঠনৰ উৰ্দ্ধগামী (Bottom up) পদ্ধতিৰ ক্ৰমটো বাচি উলিওৱা

- a. ধ্বনি
- b. অক্ষৰ
- c. বাক্য
- d. শব্দ
- e. আখৰ বা বৰ্ণ

- (1) a d e b c
- (2) a b c d e
- (3) a e b d c
- (4) b c a e d

111. ভাষা আহৰণৰ সামাজিক আদান-প্ৰদান সূত্ৰৰ ভিত্তিত কৰা উক্তিটো হৈছে –

- (1) সামান্য বেছি স্তৰৰ জটিলতাৰ বোধগম্য input-ৰ সৈতে শিকাৰ্থক পৰিচয় কৰোৱা প্ৰয়োজনীয়
- (2) পাঠ্যতালিকাৰ বৰ্হিভূত বা অতিক্ৰমি ভাষাত গুৰুত্ব দিলে ভাষা শিকিব পৰা যায়
- (3) শিকাৰ্থকৰ অনুকৰণ আৰু বাৰম্বাৰ অতিৰিক্ত ব্যৱহাৰৰ দ্বাৰা সুদৃঢ়ীকৰণৰ সুযোগ পালে ভাষা শিকিব পাৰে
- (4) আনৰ সৈতে অৰ্থোদ্ধাৰ আৰু আলোচনাৰ সুবিধা পালে ভাষা শিকাৰ্থকৰ ভাষা শিকিব পাৰে

112. এক উপদক্ষতা হিচাপে অনুমান (prediction) তলত দিয়া কোনটোৰ সৈতে জৰিত ?

- (1) খচৰা প্ৰস্তুতকৰণ
- (2) সাৰাংশকৰণ
- (3) টোকা তৈয়াৰ কৰা
- (4) পঠন



113. শিক্ষাৰ্থীয়ে যেতিয়া ভাল চাকৰি পোৱাৰ উদ্দেশ্যৰে ভাষা এটা শিকে, তেতিয়া ভাষাটো শিকাৰ প্ৰেৰণা হয় –

- (1) অন্তৰ্নিহিত বা আন্তৰিক (intrinsic)
- (2) বাহ্য (extrinsic)
- (3) চাকৰিকেन्द्रিক
- (4) অহংভাৱকেन्द्रিক

114. ভাষাৰ শ্ৰেণীকোঠা এটাত ছাত্ৰ-ছাত্ৰীক তলত দিয়া কোনটোৰ সুবিধা দিয়াটো আটাইতকৈ গুৰুত্বপূৰ্ণ ?

- (1) মূল্যায়ন কৰাৰ
- (2) অনুকৰণ কৰাৰ
- (3) ভাবৰ আদান-প্ৰদান কৰাৰ
- (4) ভুলবোৰ কম কৰাৰ

115. ভাষাৰ সমাৱেশী বা সামগ্ৰিক শ্ৰেণী কোঠাত (inclusive classroom) এটাত পঢ়ুৱাওতে শিক্ষকগৰাকীয়ে কি কৰা উচিত ?

- (1) মেধাৱী ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰক দুৰ্বল ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰক সহায় কৰিবলৈ কোৱা উচিত
- (2) শিক্ষনৰ বিভিন্ন কৌশল ব্যৱহাৰ কৰি ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰক সহায় কৰা উচিত
- (3) বিভিন্ন ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰৰ কাৰণে অধ্যক্ষক বিশেষ শিক্ষাৰ ব্যৱস্থা কৰিবলৈ অনুৰোধ কৰা উচিত
- (4) ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰে যাতে শান্ত-শিষ্টকৈ বিদ্যালয়ত ছফন্টা কটায়, সেইটো নিশ্চিত কৰা উচিত

116. ভাষা সক্ষমতা বা কুশলতাৰ কাৰণে তলত উল্লেখ কৰা কোনটো আটাইতকৈ গুৰুত্বপূৰ্ণ ?

- (1) শুদ্ধ উচ্চাৰণৰ সৈতে পঢ়া
- (2) পাঠ্যপুথিৰ পাঠবোৰৰ শেষত দিয়া পাঠ-অনুশীলনবোৰ কৰা
- (3) সঠিকতা আৰু অনৰ্গলতা বৃদ্ধি কৰা
- (4) কম দামী অথবা বিনামূলীয়া শিক্ষন সামগ্ৰী ব্যৱহাৰ কৰা

117. এজন সফল ভাষাৰ শিক্ষকে,

- (1) শিক্ষকৰ কথন সময় বৃদ্ধি কৰে
- (2) শিক্ষাৰ্থীৰ কথন সময় বৃদ্ধি কৰে
- (3) শিক্ষাৰ্থীৰ কথন সময় হ্ৰাস কৰে
- (4) গোটত কৰা কাম আৰু যুটীয়াভাবে কৰা কাম কম কৰে

118. অক্ষৰ-ছপাসমৃদ্ধ পৰিৱেশ \_\_\_\_\_ আৰু \_\_\_\_\_ ৰ অবিচ্ছেদ্য অংগ।

- (1) বিদ্যালয়, শ্ৰেণীকোঠা
- (2) পঠন, নিজ (স্ব)
- (3) সাক্ষৰতা, ভাষা
- (4) নিজ (স্ব), সমপৰ্যায়ী/সহপাঠী



119. “সমল হিচাপে বহুভাষিকতা” ৰ অৰ্থ হৈছে -

- (1) কেইবাটাও ভাষা শিকা
- (2) শিশুৰ ভাষাটোত প্ৰতিটো শব্দৰে সমাৰ্থসূচক শব্দ শিকোৱা
- (3) পাঠ্যতালিকা অতিক্ৰমি ভাষা শিকোৱা
- (4) শিকাৰুৰ ভাষাবোৰ কৌশল হিচাপে ব্যৱহাৰ কৰা

120. অংকিত নামৰ দৃষ্টি প্ৰতিবন্ধী ছাত্ৰ এজন তোমাৰ শ্ৰেণীকোঠাত আছে। এগৰাকী ভাষাৰ শিক্ষক হিচাপে তুমি কি কৰিবা ?

- (1) বিভিন্ন ধৰণৰ কৰ্মতালিকা (work sheet) অনুশীলনৰ কাৰণে দিয়াত গুৰুত্ব দিবা।
- (2) তোমাৰ শিক্ষণত কেইবা প্ৰকাৰৰো দৃশ্যাত্মক পৰিৱেশন ব্যৱহাৰ কৰিবা।
- (3) বিভিন্ন ধৰণৰ অংগী-ভংগী আৰু শাৰিৰীক ভাষাৰ ব্যৱহাৰ কৰিবা।
- (4) কণ্ঠস্বৰৰ উঠা নমা বা শ্বাসাঘাত, বিৰাম আদিৰ প্ৰয়োগ কৰি স্পষ্টকৈ কথা ক’বা আৰু শিক্ষণ সামগ্ৰীবোৰ স্পৰ্শ কৰি অনুভৱ কৰিবলৈ দিবা।



পৰীক্ষাৰ্থীসকলে যদিহে অসমীয়া বিষয়টো ভাষা - II (Language-II) – হিচাপে লৈছে, তেনেহ'লে **Part-V**-ৰ (প্ৰশ্ন নং 121-ৰ পৰা 150 লৈ) উত্তৰ কৰিব।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **ASSAMESE** as **Language-II** only.

পৰীক্ষাৰ্থীসকলে যদিহে অসমীয়া বিষয়টো ভাষা - II (Language-II) – হিচাপে লৈছে, তেনেহ'লে Part-V-ৰ (প্ৰশ্ন নং 121-ৰ পৰা 150 লৈ) উত্তৰ কৰিব।

**নিৰ্দেশ :** নিম্নোদ্ধৃত দফাটো মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নসমূহৰ (প্ৰশ্ন নং 121-ৰ পৰা 128 লৈ) আটাইতকৈ শুদ্ধ বিকল্পটো নিৰ্বাচন কৰা।

গুৱাহাটীত ১৯৪৮ চনৰ ফেব্ৰুৱাৰি মাহত মই 'ডনবন্ধ' স্কুল নামৰ যিখন শিক্ষা-প্ৰতিষ্ঠানত ভৰ্তি হ'লোঁহি সেইখন একালত 'ডনবন্ধ' টেকনিকেল স্কুলৰূপে স্থিলাং আৰু গুৱাহাটীত স্থাপিত হৈছিল। তাৰো পূৰ্বে এই খ্ৰিষ্টান মিছনেৰিবিদ্বাৰা গঠিত প্ৰতিষ্ঠানটো Lady's Orphanage নামে অনাথ আৰু অতি দৰিদ্ৰ শিশুৰ বাবে আশ্ৰমৰূপে গঢ় দিছিল। পাছলৈ ই কাঠমিস্ত্ৰি (Carpentry) আৰু এসময়ত ছপাশালৰ কাম শিকোৱাৰ লগতে কিছু পঢ়াশুনাৰ জ্ঞান দিয়াৰো ব্যৱস্থা কৰিছিল। দ্বিতীয় মহাসমৰৰ সময়ত এই প্ৰতিষ্ঠানটো বাৰ্মাৰপৰা ভগনীয়া হৈ অহা বহু লোকক আশ্ৰয় আৰু বিভিন্নৰূপে সেৱা আগবঢ়োৱাত ব্যস্ত হৈ পৰিছিল। পূব সীমান্তত যুদ্ধত অংশ লোৱা ভালেমান মিত্ৰশক্তিৰ আহত সেনাকো প্ৰতিষ্ঠানটোৱে শুশ্ৰূষা কৰিছিল। ইতিমধ্যে এটা কাৰিকৰী শিক্ষা কেন্দ্ৰৰূপে গঢ় লৈ উঠা প্ৰতিষ্ঠানটো এটা ভগনীয়া, আহত সৈনিকৰ আশ্ৰয় আৰু সেৱাকেন্দ্ৰৰূপে ব্যস্ত হৈ পৰাত শিক্ষা-প্ৰতিষ্ঠানৰ কামবোৰ এৰা-ধৰা হৈ থাকি এসময়ত বন্ধ হৈ গ'ল। প্ৰতিষ্ঠানটোত ইউৰোপৰ ইটালিকে ধৰি ইংলেণ্ড, ফ্ৰান্স আদি দেশৰ পাদুৰি আছিল। তেওঁলোকক ছেইণ্ট মেৰিছ নামৰ নান (Nun) সকলৰে গঠিত একে ছেলছিয়ান (Salesian) সংগঠন এটাৱো সহযোগিতা



আগবঢ়াইছিল। মোৰ ধাৰণাৰে এই নানসকলৰ অধিকাংশই ইটালিয়ান আছিল। কিন্তু ১৯৪০ চনত ইটালিয়ে যুদ্ধত হিটলাৰৰ জাৰ্মেনিৰ সৈতে যোগ দিয়াৰ বাবে প্ৰতিষ্ঠানটোৰ ইটালিয়ান পাদুৰিসকলক তেতিয়াৰ ইংৰাজৰ অধীনত থকা প্ৰশাসনে আটক কৰি স্থিলাংত থকা বিশেষ কেন্দ্ৰত (Concentration Camp) আবদ্ধ কৰি ৰখাত সংগঠনটো ছেদেলি-ভেদেলি হৈ পৰিল। কিন্তু ইতিমধ্যে সহাসমৰৰ অন্ত পৰাত পৰিস্থিতিলৈ পৰিৱৰ্তন আহিল। সেই সময়ত যিজন ছেলছিয়ান পাদুৰিয়ে এই মিছনেৰি প্ৰতিষ্ঠানটোৰ নেতৃত্ব দি আহিছিল তেখেত আছিল ইটালিয়ান ফাদাৰ এট্ৰিল্লিঅ' কলুছি। ফাদাৰ কলুছিয়ে পুনৰ এটা শিক্ষা-প্ৰতিষ্ঠান গঢ়ি তোলাৰ বাবে হাতে-কামে লাগি পৰিল। পূৰ্বৰ ঘাইকৈ কাৰিকৰী বিদ্যাত গুৰুত্ব দিয়াৰ সলনি পঢ়াশুনাৰ বিদ্যালয়ৰূপে ইয়াক গঢ় দিবলৈ সিদ্ধান্ত ল'লে। ইতিমধ্যে আমাৰ দেশ স্বাধীন হ'ল। অসম চৰকাৰৰ শিক্ষা বিভাগৰ অনুমতি সাপেক্ষে এখন অসমীয়া মাধ্যমৰ বিদ্যালয় খোলাৰ প্ৰয়াস আৰম্ভ কৰিলে। ইয়াৰ বাবে ফাদাৰ কলুছিয়ে ট্ৰিবিউন প্ৰেছত এখন গোহাৰি ছপা কৰাই গুৱাহাটী আৰু অসমৰ দুই-এঠাইত বিভিন্নজনৰ মাজত বিলাই দিলে। এই গোহাৰিখনত এটা কথা উল্লেখ কৰা হৈছিল যে অভিভাৱকসকল নিশ্চিত হ'ব পাৰে যে এইখন স্কুলত পঢ়ালে ল'ৰাক 'প্ৰাইভেট টিউটৰ' দিয়াৰ কোনো প্ৰয়োজনেই নাথাকিব। মোৰ ধাৰণাত পাপাই ছপাবলৈ অনা গোহাৰিখন দেখিয়েই মোক ডিব্ৰুগড়ৰপৰা আনি ইয়াত নাম লগোৱাৰ সিদ্ধান্ত লৈছিল।

121. লেখকক তেঁওৰ পিতৃয়ে \_\_\_\_\_ ব পৰা লৈ  
আনি \_\_\_\_\_ ব শিক্ষানুষ্ঠানত নামভৰ্তি  
কৰাইছিল।

- (1) শ্বিলং, গুৱাহাটী
- (2) গুৱাহাটী, শ্বিলং
- (3) ডিব্ৰুগড়, গুৱাহাটী
- (4) গুৱাহাটী, ডিব্ৰুগড়

122. “প্ৰতিষ্ঠানটোৰ পাদুৰিসকলক প্ৰশাসনে আটক  
কৰি আবদ্ধ কৰি ৰখাত সংগঠনটো ছেদেলি-  
ভেদেলি হৈ পৰিল।”

উদ্ধৃত বাক্যটোৰ ৰেখাংকিত অংশটো হৈছে –

- (1) জঁতুৰা টাচ
- (2) অনুকাৰ শব্দ
- (3) সমাৰ্থক শব্দ
- (4) সমাস

123. ফাদাৰ এটিব্লিঅ’ কলুছি ক’ৰ লোক আছিল ?

- (1) জাৰ্মানীৰ
- (2) ইটালীৰ
- (3) ফ্ৰান্সৰ
- (4) ইংলেণ্ডৰ

124. অধিকাংশ ইটালিয়ান নান (Nun)-ৰ দ্বাৰা গঠিত  
ছেলছিয়ান সংগঠনটোৰ নাম আছিল –

- (1) ছেইন্ট মেৰিছ
- (2) ডনবস্ক’ স্কুল
- (3) ডনবস্ক’ টেকনিকেল স্কুল
- (4) লেডীজ অবফেনেজ

125. ফাদাৰ কলুছিয়ে গুৱাহাটীত আৰম্ভ কৰিব পৰা  
স্কুলখনৰ বিষয়ে ট্ৰিবিউন প্ৰেছত ছপোৱা  
গোহাৰিখনত উল্লেখ আছিল যে,

- (1) স্কুলখনত পঢ়ালে প্ৰাইভেট টিউটৰৰ  
প্ৰয়োজন নাথাকিব
- (2) স্কুলখনত প্ৰাইভেট টিউটৰে পাঠদান  
কৰিব
- (3) স্কুলখনত অসমীয়া আৰু ইংৰাজী দুয়োটা  
মাধ্যমতে পঢ়োৱা হ’ব
- (4) স্কুলখনত ইংৰাজী মাধ্যমত পঢ়োৱা হ’ব

126. ‘প্ৰয়াস’ শব্দটোৰ সমাৰ্থসূচক শব্দটো হ’ল –

- (1) প্ৰয়োগ
- (2) প্ৰত্যাশা
- (3) চেষ্টা
- (4) কৌশল

127. ডনবস্ক’ টেকনিকেল স্কুল ক’ত স্থাপিত  
হৈছিল ?

- (1) ডিব্ৰুগড়ত
- (2) যোৰহাট আৰু ডিব্ৰুগড়ত
- (3) গুৱাহাটী আৰু শ্বিলঙত
- (4) গুৱাহাটী আৰু ডিব্ৰুগড়ত

128. ১৯৪৮ চনৰ আগভাগত লেখকে নামভৰ্তি কৰা  
শিক্ষানুষ্ঠানটোৰ নাম আছিল ?

- (1) ডনবস্ক’ টেকনিকেল স্কুল
- (2) ডনবস্ক’ স্কুল
- (3) খ্ৰিষ্টান মিছনেৰী স্কুল
- (4) ছেইন্ট মেৰিছ স্কুল



নিৰ্দেশ : তলত বহুনাথগু মনোযোগেৰে পঢ়ি প্ৰশ্ন নং 129 ৰ পৰা 135 লৈ আটাইতকৈ উপযুক্ত বিকল্প উত্তৰটো বাচি উলিওৱাঁ।

অসম হাতীৰ বাবে প্ৰখ্যাত। আহোম যুগত পৰ্যাপ্ত পৰিমাণে প্ৰাপ্ত হাতীৰ দাঁত আৰু হাড়ৰ গহীনা লৈ কাৰীকৰী শিল্পই গা কৰি উঠাৰ সুযোগ পাইছিল। আহোম স্বৰ্গদেৱসকলে আন দেশৰ ৰজা-মহাৰজালৈ আগবঢ়োৱা বিভিন্ন উপটোকনৰ ভিতৰত মূল্যবান হাতীৰদাঁতেও স্থান পাইছিল। স্বৰ্গদেৱ জয়ধ্বজ সিংহইনবাব ঔৰংজেৱলৈ হাতীদাঁতৰ পাটি, গা আচোঁৰা, কাকৈ প্ৰভৃতি উপহাৰ দিয়াৰ কথা বুৰঞ্জীত আছে। স্বৰ্গদেৱ চুডৈফা বা তেজসিংহই আজমতাৰালৈ আগবঢ়োৱা আন উপহাৰৰ লগতে হাতীদাঁতৰ খুৰাৰে তৈয়াৰী সোণৰ পীৰা দুখনো আছিল। কমলেশ্বৰ সিংহই ভোটদেশৰ ৰজালৈ হাতীদাঁতৰ মেলা, পোষ্টা খাট প্ৰভৃতি পঠোৱাৰ সংবাদ ভূবনচন্দ্ৰ সন্দিকৈয়ে সদৰি কৰিছে। অঁহহীন আৰু যথেষ্ট টান হোৱা বাবে হাতীদাঁত কাটি বিভিন্ন চালে চকু ৰোৱা বস্তু সাজিব পাৰি। ফ্ৰেন্সিছ হেমিলটনে তেওঁৰ টোকাত লিখি গৈছে যে অসমীয়া হাতীদাঁতৰ শিল্পীয়ে বেঁকা হাতীদাঁত পোন কৰাৰ কৌশলটো জানিছিল। বেঁকা হাতীদাঁতৰ ওপৰত এক বিশেষ অনুপাতত মাটি আৰু গোবৰ মিহলাই জুইত সেকি তাক পোন কৰি লোৱা হৈছিল। আহোমৰ আমোলত হাতীদাঁতৰ কাম কৰা লোকসকলক বক্তাৰ বা বক্তাৰ খনিকৰ ৰূপে জনা গৈছিল। মি. আই. ডোনেল্ড চাহাবে তেওঁৰ Monograph of Ivory Carving in

Assam গ্ৰন্থত অসমীয়া বক্তাৰ খনিকৰসকলৰ নৈপুণ্যৰ কথা বখনি গৈছে। অসমীয়া কাৰিকৰে হাতীদাঁতৰপৰা ফণি, মূৰত মৰা শলা, পিঠি খজুৱা হাতোৰা, লাঠি লাঠিৰ মূৰ, টেমা, সফুঁৰা আদি সজাৰ উপৰি বিভিন্ন দেৱ-দেৱীৰ মূৰ্তি, জীৱ জন্তু, শৰাই প্ৰভৃতি সাংস্কৃতিক সম্পদ নিৰ্মাণ কৰিছিল। আউনিআটি সত্ৰত সংৰক্ষিত হাতীদাঁতৰ পাটখন দীঘলে প্ৰায় ১২০ ছে.মি. আৰু পুতলে প্ৰায় ৯০ ছে.মি.। সিখনৰ দৈবোৰ কেনেকৈ কোমল কৰিছিল, সেই কৌশল জাতি আমাৰ অজ্ঞাত। বৰপেটাত কেইজনমান স্থানীয় শিল্পীয়ে অদ্যাপি হাতীদাঁতৰ শিল্পটো জীয়াই ৰখাটো গৌৰৱৰ কথা।



## 129. “Monograph of Ivory Carving of Assam” গ্ৰন্থখনৰ লেখক কোন ?

- (1) ভূবনচন্দ্ৰ সন্দিকৈ
- (2) ফ্ৰেন্সিছ হেমিলটন
- (3) তেজসিংহ
- (4) আই. ডোনেল্ড

## 130. ভোটদেশৰ ৰজালৈ হাতীদাঁতৰ সামগ্ৰী কোনে পঠাইছিল ?

- (1) ভূবনচন্দ্ৰ সন্দিকৈয়ে
- (2) স্বৰ্গদেউ কমলেশ্বৰ সিংহই
- (3) স্বৰ্গদেউ চুডৈফাই
- (4) স্বৰ্গদেউ জয়ধ্বজ সিংহই

131. অসমীয়া হাতীদাঁতৰ শিল্পীয়ে বেঁকা হাতীদাত  
পোণ কৰিবলৈ কি কৰিছিল ?

- (1) বিশেষ অনুপাতত মাটি আৰু গোবৰ  
মিহলাই জুইত সেকিছিল
- (2) কমাৰশালৰ জুইত সেকিছিল
- (3) মাটি আৰু গোবৰৰ মিশ্ৰণত পুতি থৈছিল
- (4) পোন জোখত কাটি লৈ তাক শিল্পৰূপ  
দিছিল

132. হাতীদাঁতৰ পৰা বিভিন্ন শিল্পকৰ্ম তৈয়াৰ কৰিব  
পাৰি, কাৰণ -

- (1) হাতীদাঁত পৰ্যাপ্ত পৰিমাণে পোৱা যায়
- (2) হাতীদাঁতৰ আকাৰ ডাঙৰ
- (3) হাতীদাঁত অঁহহীন আৰু যথেষ্ট টান
- (4) হাতীদাঁত কাটি শিল্প তৈয়াৰ কৰিবলৈ  
সহজ

133. উদ্ধৃত বহুনাথপুত ব্যৱহৃত হোৱা তলত দিয়া  
বোৰৰ পৰা খণ্ডবাক্য বা জতুৰা ঠাচটো বাচি  
উলিওৱা।

- (1) হাতীদাঁত
- (2) পৰ্যাপ্ত পৰিমাণে
- (3) বজা-মহাৰজা
- (4) চালে চকুৰোৱা

134. আহোম যুগত হাতীদাঁতৰ কামকৰা  
লোকসকলক কি বুলি জনা গৈছিল ?

- (1) বক্তাব
- (2) শিলাকুটীয়া
- (3) শিল্পী
- (4) হাতীবৰুৱা



135. অসমীয়া হাতীদাঁতৰ শিল্পীয়ে বেঁকা হাতীদাঁত  
পোণ কৰাৰ কৌশল জানিছিল বুলি ক'ত উল্লেখ  
আছে ?

- (1) হস্তী বিদ্যাৰ্ণৰ পুথিত
- (2) আই. ডোনেল্ডৰ গ্ৰন্থত
- (3) ফ্ৰেন্সিছ হেমিলটনৰ টোকাত
- (4) ভূৰনচন্দ্ৰ সন্দিকৈৰ টোকাত

**Directions :** Answer the following questions  
by selecting the **most**  
**appropriate** options.

136. পাঠ এটা সম্পূৰ্ণ কৰাৰ পাছত শিক্ষকে ছাত্ৰ-  
ছাত্ৰীবোৰক পাঠটোত থকা বিভিন্ন ধৰণৰ  
বিশেষ্য পদবোৰ বাচি উলিয়াই দিয়া হোৱা  
বাক্যৰ ভিতৰত (বৰ্গাকাৰ স্থানত) লিখিবলৈ  
দিছে। এই কাৰ্যটো তলত দিয়া কোনটোৰ  
উদাহৰণ ?

- (1) ব্যাকৰণৰ সূত্ৰ মুখস্থ কৰাৰ
- (2) ব্যাকৰণ শিক্ষণৰ
- (3) ব্যাকৰণ অনুবাদ পদ্ধতিৰ
- (4) প্ৰসংগক্ৰমে বা প্ৰসংগানুসৰি ব্যাকৰণৰ

137. \_\_\_\_\_ হৈছে শিশুৱে যোগাযোগৰ কাৰণে  
ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ আৰম্ভ কৰা এক অৱচেতন  
প্ৰক্ৰিয়া।

- (1) ভাষা শিকা
- (2) ভাষা আহৰণ
- (3) দ্বিতীয় ভাষা
- (4) ভাষিক সক্ষমতা বা দক্ষতা

138. শিক্ষক হিচাপে তুমি ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ মাজত পঠনৰ  
আগ্ৰহ কেনেদৰে বৃদ্ধি কৰিবা ?

- (1) কেৱল পাঠ্যপুথি পঢ়িবলৈ দি
- (2) পাঠ্যবোৰৰ সাৰাংশ বা মূলভাব মনত  
ৰাখিবলৈ দি
- (3) ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ মাজত আগ্ৰহ ওপজাকৈ  
বয়স উপযোগী শিশু সাহিত্য পঢ়িবলৈ দি
- (4) পাঠ্যবোৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ মাতৃভাষাত  
অনুবাদ কৰি দিয়াৰ পাছত প্ৰশ্নোত্তৰবোৰ  
শিকাই দি

139. তলত উল্লেখ কৰা কোনটোৱে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ  
মাজত ভাষা শিকাৰ স্তৰৰ মূল্যায়ন কৰাত সহায়  
কৰে ?

- (1) মুখস্থ কৰা কবিতা এটা অংগী-ভংগীৰে  
সৈতে আবৃত্তি কৰিবলৈ দিয়া
- (2) পাঠটো সিহঁতৰ মাতৃভাষালৈ অনুবাদ  
কৰা
- (3) ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰক সিহঁতৰ ধাৰণাবোৰ  
আৰু কল্পনাবোৰ মুকলিকৈ প্ৰকাশ কৰাৰ  
সুযোগ দিয়া
- (4) ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰক কবিতা এটাৰ পৰা  
কাব্যিক উপাদানবোৰ বাচি উলিয়াবলৈ  
দিয়া

140. বিষয়বস্তুৰ জ্ঞান আৰু পৰিস্থিতিৰ ওপৰত ভিত্তি  
কৰি ছাত্ৰ-ছাত্ৰীয়ে শুনা দফা এটাৰ বিশেষ অৰ্থ  
উদ্ধাৰ কৰিছে আৰু বাৰ্তাটো গঠন কৰা বাক্য,  
বাক্যাংশ আৰু শব্দবোৰৰ অৰ্থ উদ্ধাৰ কৰিছে।  
শুনা দফাটোৰ অৰ্থোদ্ধাৰ বা অর্থানুমান কৰাৰ  
এই ধৰণ বা প্ৰক্ৰিয়াটো হৈছে –

- (1) উদ্ভৰ্গামী (Bottom up) উপদক্ষতা
- (2) অধোগামী বা উদ্ভৰ্গ-নিয় (Top down)  
উপদক্ষতা
- (3) সমগ্ৰ ভাষা পদ্ধতি বা অভিগম  
(approach)
- (4) সংহত পদ্ধতি বা অভিগম

141. শিকাৰুৰ ভাষা শিকন উন্নীত কৰিবৰ কাৰণে তলত দিয়াবোৰৰ ভিতৰত কোনটো ফীডবেক (feed back) দিয়াৰ ক্ষেত্ৰত আটাইতকৈ ফলপ্ৰসূ ?

- (1) শিকাৰুৰ ভুল শিক্ষকে লগে লগেই আঙুলিয়াই দিয়া
- (2) যিবোৰ শিকাৰুৰ ভাষা ব্যৱহাৰত আটাইতকৈ বেছি অসুবিধা আছে, কেৱল সেইবোৰ শিকাৰুৰ ফীডবেক দিয়া
- (3) শিকাৰুৰ মাতৃভাষাৰ প্ৰভাৱৰ কাৰণে হোৱা ভুলবোৰ আওকান কৰি শিক্ষকে ভুল-বিশ্লেষণ কৰা উচিত আৰু তাৰ পাছত ভুলবোৰ শুধৰোৱাৰ কাৰণে কৌশল গ্ৰহণ কৰা উচিত
- (4) শিকাৰুৱে শ্ৰেণীকোঠাতে ভুলবোৰ আঙুলিয়াই দিলে বেয়া পাব বুলি ভাবি শিক্ষকে ভুলবোৰ আওকান কৰা উচিত

142. পাঠ্যপুথি অতিক্ৰমি যোৱাৰ অৰ্থ হৈছে –

- (1) পাঠ্যপুথিৰ স্তৰতকৈ কিছু ওপৰত পঢ়োৱা
- (2) পাঠ্যপুথিৰ উপৰিও অতিৰিক্ত সমল দিয়া
- (3) পাঠ্যপুথি সম্পূৰ্ণ কৰাটো প্ৰয়োজনীয় নহয়
- (4) ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ বুজিপোৱাৰ স্তৰতকৈ পাঠ্যপুথিৰ জটিলতাৰ স্তৰ ওপৰত

143. ভাষাৰ পাঠ এটা পঢ়ুওৱাৰ পাছত শিক্ষকে বিজ্ঞান আৰু সমাজ বিজ্ঞানৰো পাঠৰ বিষয় কিছুমান ছাত্ৰ-ছাত্ৰীক পঢ়িবলৈ দিছে। কাৰণ, বিষয়বোৰৰ ভাষাৰ পাঠটোৰ লগত সম্পৰ্ক আছে। এই পদ্ধতি বা অভিগম হৈছে –

- (1) অন্তৰ্বিষয়ক (inter disciplinary)
- (2) পাঠ্যক্ৰম অতিক্ৰমি ভাষা
- (3) বহুবাদী (pluralistic) ভাষা শিক্ষণ
- (4) বিষয়-ভাষা শিক্ষণ

144. শিকাৰুৰ পঠন দক্ষতা বৃদ্ধিৰ আটাইতকৈ উত্তম উপায় হৈছে –

- (1) প্ৰত্যাহ্বানপূৰ্ণ জটিল পাঠ পঢ়িব পৰা
- (2) শিক্ষকে যোগান ধৰা আদৰ্শ উচ্চাৰণ শুনা
- (3) বাস্তৱ জীৱনৰ পৰিৱেশত যোগাযোগ কৰা
- (4) কঁওতে সকলো ধৰণৰ ভুল পৰিহাৰ কৰা

145. ব্যাকৰণ শিক্ষাই \_\_\_\_\_ বৃদ্ধি কৰে।

- (1) সাক্ষৰতা
- (2) সঠিকতা বা শুদ্ধতা
- (3) অনৰ্গলতা
- (4) শব্দসম্ভাৰ

146. ভাষাৰ শিক্ষক এগৰাকীয়ে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীক সিহঁতৰ ওচৰত বহা সহপাঠীজনক বৰষুণৰ বতৰ এটাৰ অভিজ্ঞতা বৰ্ণনা কৰিবলৈ দিছে।

- (1) শ্ৰেণীকোঠাটো ছলছলীয়া কৰি তুলিব
- (2) খাৰণাৰ মৌখিক প্ৰকাশ বৃদ্ধি কৰিব
- (3) শ্ৰেণীকোঠাত নিয়মানুবৰ্ত্তিয়া নোহোৱা কৰিব
- (4) পাঠ্যপুথি পঢ়া আমনি বা ব'ৰডম নোহোৱা কৰিব



147. লিখনৰ Process approach-এ তলৰ কোনটো ক্ৰম অনুসৰণ কৰে ?

- a. সম্পাদনা
- b. মস্তিষ্কমস্থন
- c. আওৰোৱা
- d. খচৰা প্ৰস্তুতকৰণ

- (1) a b c d
- (2) b c a d
- (3) a d c b
- (4) b d c a

148. এগৰাকী ভাষাৰ শিক্ষকে তেঁওৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবোৰক নিজৰ নিজৰ পত্ৰাখাৰ বা পৰ্টফলিঅ'ত সিহঁতৰ পাঁচোটাকৈ আটাইতকৈ ভাল বস্তু ৰাখি বাকীবোৰ আঁতৰাই থ'বলৈ দিছে। তাৰ পাছত শিক্ষক গৰাকীয়ে সিহঁতৰ বাচনিৰ প্ৰতিক্ৰিয়া সুধিছে। এই প্ৰতিক্ৰিয়াটো হ'ব –

- (1) সমপৰ্যায়ী বা সহপাঠী (পাৰস্পৰিক) মূল্যায়ন
- (2) স্ব-মূল্যায়ন
- (3) শিক্ষকৰ মূল্যায়ন
- (4) সংক্ষেপণ মূল্যায়ন

149. তলত দিয়া সমলবোৰৰ ভিতৰত কোনটো প্ৰাৰম্ভিক স্তৰৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীক ভাষা শিকোঁতে আটাইতকৈ গুৰুত্বপূৰ্ণ ?

- (1) শিশু সাহিত্য
- (2) বাতৰি কাকত
- (3) কম্পিউটাৰ
- (4) ৰিলিঅ' (relia) / বাস্তৱিক সামগ্ৰী

150. ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ মৌখিক দক্ষতা বৃদ্ধি কৰিবৰ কাৰণে তলত উল্লেখ কৰা কোনটো কাৰ্য আটাইতকৈ কম গুৰুত্বপূৰ্ণ ?

- (1) বস্তু এটাৰ বিৱৰণ দিয়া
- (2) সিহঁতৰ নিজৰ ভাষাত সাধু এটা কোৱা
- (3) শিক্ষকৰ লগে লগে সাধুটো আওৰোৱা
- (4) ঘটনা এটা বৰ্ণনা কৰা

**SPACE FOR ROUGH WORK**

**তলৰ নিৰ্দেশাৱলীসমূহ মনোযোগেৰে পঢ়াঁ :**

1. ভিন ভিন প্ৰশ্নসমূহৰ উত্তৰ কেনেধৰণে কৰিব লাগিব তাৰ নিৰ্দেশ পৰীক্ষা-পুস্তিকাত দিয়া আছে । প্ৰশ্নসমূহৰ উত্তৰ কৰাৰ আগতে এই পুস্তিকা মনোযোগেৰে পঢ়িব।
2. প্ৰত্যেক প্ৰশ্নৰে চাৰিটা বিকল্প দিয়া হৈছে । শুদ্ধ উত্তৰটো OMR উত্তৰ পত্ৰৰ দ্বিতীয় পিঠিত নীলা/ক'লা বল পে'নেৰ ঘূৰণীয়াকৈ বোলাই দিয়া । এবাৰ চিহ্নিত কৰা উত্তৰটো পুনৰবাৰ পৰিবৰ্তন কৰিব নোৱাৰা ।
3. উত্তৰ-পত্ৰখন যাতে ভাঁজ কৰা নহয় সেইটো পৰীক্ষাৰ্থীয়ে নিশ্চিত কৰিব লাগিব । পৰীক্ষাৰ্থীয়ে নিজৰ ৰোল নম্বৰ উত্তৰ-পত্ৰৰ নিৰ্ধাৰিত স্থানৰ বাহিৰে অন্য ঠাইত নিলিখে যেন ।
4. প্ৰশ্নপত্ৰ আৰু উত্তৰ পত্ৰ মনোযোগেৰে ব্যৱহাৰ কৰিবা । কাৰণ প্ৰশ্ন পত্ৰ আৰু উত্তৰ পত্ৰৰ কেৱল ক্ৰমিক সংখ্যাৰ খেলিমেলিৰ বাহিৰে বিকল্প প্ৰশ্ন পত্ৰ আৰু উত্তৰ পত্ৰ দিয়া নহ'ব ।
5. পৰীক্ষা পত্ৰ/উত্তৰ পত্ৰত থকা ক্ৰমিক সংখ্যা উপস্থিতি পত্ৰত শুদ্ধভাৱে লিখিব।
6. OMR উত্তৰ পত্ৰত সাংকেতিক লেখনত থকা তথ্যবোৰ যন্ত্ৰৰ দ্বাৰা পঢ়া হ'ব । সেয়েহে কোনো তথ্য অসম্পূৰ্ণকৈ এৰা অনুচিত আৰু তথ্যসমূহ পৰিচয় পত্ৰত দিয়া তথ্যৰ সৈতে ভিন্ন হ'ব নালাগিব ।
7. পৰীক্ষাৰ্থীয়ে পৰীক্ষাগৃহত প্ৰৱেশ পত্ৰৰ বাহিৰ অন্য পাঠ সামগ্ৰী, কাগজ, পেজাৰ, মোবাইল ফোন আদি ইলেক্ট্ৰনিক সামগ্ৰী ব্যৱহাৰ কৰিব নোৱাৰে ।
8. ম'বাইল ফ'ন, যিকোনো বেতাঁৰ সংযোগ সঁজুলি (আনকি চুইট্‌শ্ব'ড্ অফ হৈ থাকিলেও) আৰু অন্যান্য বাৰণ কৰা বা নিষিদ্ধ সামগ্ৰী পৰীক্ষা গৃহলৈ লৈ অনাৰ অনুমতি নাই । এই নিৰ্দেশ অমান্য কৰিলে পৰীক্ষাগৃহত অসৎ উপায় অৱলম্বন কৰা বুলি গণ্য কৰা হ'ব আৰু তেওঁলোকৰ বিৰুদ্ধে পৰীক্ষাৰ বাতিলকৰণকে ধৰি কাৰ্য্যপন্থা গ্ৰহণ কৰা হ'ব ।
9. প্ৰত্যেক পৰীক্ষাৰ্থীয়ে নিৰীক্ষকক প্ৰৱেশ পত্ৰ দেখুৱাব ।
10. নিৰীক্ষকৰ বিনা অনুমতিত পৰীক্ষাৰ্থীয়ে বাহিৰলৈ যাব নোৱাৰিব ।
11. পৰীক্ষাৰ্থীয়ে কাৰ্য্যৰত নিৰীক্ষকক উত্তৰ বহী নিদিয়াকৈ তথা উপস্থিতি বহীত দ্বিতীয়বাৰ স্বাক্ষৰ নকৰাকৈ পৰীক্ষা গৃহ ত্যাগ কৰিব নোৱাৰিব । যদি পৰীক্ষাৰ্থীয়ে দ্বিতীয়বাৰ উপস্থিতি বহীত স্বাক্ষৰ নকৰে তেনেহলে উত্তৰ পত্ৰ নিদিয়া বুলি ধৰি লোৱা হ'ব আৰু ইয়াক অনুচিত কাৰ্য্য বুলি বিবেচনা কৰা হ'ব ।
12. ইলেক্ট্ৰনিক/হস্তচালিত কেলকুলেটৰৰ প্ৰয়োগ কৰিব নোৱাৰিব ।
13. পৰীক্ষা গৃহত পৰীক্ষাৰ্থী বোৰ্ডৰ নিয়ম অনুসাৰে পৰিচালিত হ'ব লাগিব । সকলো অনুচিত কাৰ্য্যৰবাবে বোৰ্ডৰ সিদ্ধান্তই চূড়ান্ত হ'ব ।
14. কোনো কাৰণতে পৰীক্ষাৰ্থীয়ে পৰীক্ষা পত্ৰ আৰু উত্তৰ পত্ৰ কোনো অংশকেই পৃথক কৰিব নোৱাৰিব ।
15. **পৰীক্ষাৰ অন্তত পৰীক্ষাৰ্থীয়ে পৰীক্ষা গৃহ ত্যাগ কৰাৰ পূৰ্বে উত্তৰ পত্ৰ নিৰীক্ষকৰ হাতত জমা দিব লাগিব । পৰীক্ষাৰ্থীয়ে পৰীক্ষা পত্ৰ লগত নিব পাৰে ।**

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><b>निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें ।</li> <li>2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह काले/नीले बॉल पॉइंट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।</li> <li>3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।</li> <li>4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।</li> <li>5. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।</li> <li>6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी । इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए ।</li> <li>7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।</li> <li>8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्वीच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए । इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित ।</li> <li>9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ ।</li> <li>10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।</li> <li>11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा । <b>परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगुठे का निशान हाज़िरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ ।</b></li> <li>12. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।</li> <li>13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फ़ैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।</li> <li>14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।</li> <li>15. <b>परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल / कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें । परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।</b></li> </ol> | <p><b>READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY:</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.</li> <li>2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with <b>Black/Blue Ball Point Pen</b> on <b>Side-2</b> of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.</li> <li>3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.</li> <li>4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.</li> <li>5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.</li> <li>6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.</li> <li>7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/ room.</li> <li>8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/ rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against them including cancellation of examination.</li> <li>9. Each candidate must show on demand his / her Admit Card to the Invigilator.</li> <li>10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.</li> <li>11. The candidates should not leave the Examination Hall/ Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. <b>The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.</b></li> <li>12. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.</li> <li>13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.</li> <li>14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.</li> <li>15. <b>On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.</b></li> </ol> |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|